saraswati mata aarti

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता

सदगुण वैभव शालिनी, सदगुण वैभव शालिनी

त्रिभुवन विख्याता, जय जय सरस्वती माता

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता

सदगुण वैभव शालिनी, सदगुण वैभव शालिनी

त्रिभुवन विख्याता, जय जय सरस्वती माता

चन्द्रबदनि पद्मासिनि, कृति मंगलकारी

मैय्या कृति मंगलकारी

सोहे शुभ हंस सवारी, सोहे शुभ हंस सवारी

अतुल तेज धारी जय जय सरस्वती माता….

बाएं कर में वीणा, दाएं कर माला

भैय्या दाएं कर माला

शीश मुकुट मणि सोहे, शीश मुकुट मणि सोहे

गल मोतियन माला जय जय सरस्वती माता..

देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया

मैय्या उनका उद्धार किया

बैठी मंथरा दासी, बैठी मंथरा दासी

रावण संहार किया ,जय जय सरस्वती माता….

विद्यादान प्रदायनि, ज्ञान प्रकाश भरो

जन ज्ञान प्रकाश भरो

मोह अज्ञान की निरखा, मोह अज्ञान की निरखा

जग से नाश करो, जय जय सरस्वती माता…

धूप, दीप, फल, मेवा, माँ स्वीकार करो

ओ माँ स्वीकार करो

ज्ञानचक्षु दे माता, ज्ञानचक्षु दे माता

जग निस्तार करो जय जय सरस्वती माता….

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे

मेय्या जो कोई जन गावे

हितकारी सुखकारी हितकारी सुखकारी

ज्ञान भक्ति पावै जय जय सरस्वती माता

जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता

सदगुण वैभव शालिनी, सदगुण वैभव शालिनी

त्रिभुवन विख्याता जय जय सरस्वती माता

ॐ जय सरस्वती माता, जय जय सरस्वती माता

सदगुण वैभव शालिनी, सदगुण वैभव शालिनी

त्रिभुवन विख्याता, जय जय सरस्वती माता